

“कृषि वानिकी प्रजातियों में बीमारी एवं कीटों का प्रकोप एवं रोकथाम पर यमुनानगर में किसानों का प्रशिक्षण”

वन अनुसंधान संस्थान देहरादून एवं कृषि विज्ञान केन्द्र यमुनानगर के प्रयास से दिनांक 01-अक्टूबर-2013 को कृषि वानिकी प्रजातियों में बीमारी एवं कीटों का प्रकोप एवं रोकथाम पर किसानों का प्रशिक्षण के.वी.के के सभागृह में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में यमुनानगर (हरियाण) के 60 (साठ) उन्नतिशील कृषि वानिकी करने वाले किसानों ने भाग लिया। इस एक दिवसीय कार्यक्रम का संचालन एवं व्यवस्था श्री उमेश कुमार उप वन संरक्षक विस्तार प्रभाग द्वारा कराया गया। डा. दिनेश कुमार वैज्ञानिक वन सर्वधन प्रभाग वन अनुसंधान संस्थान द्वारा पॉपलर आधारित कृषि वानिकी द्वारा आमदनी में बढ़ोतरी एवं प्लान्टेशन तकनीक विषय पर प्रेजेंटेशन दिया गया। डा. वाई.पी.सिंह वैज्ञानिक वन व्याधि प्रभाग द्वारा पॉपलर एवं सफेदा प्रजातियों में लगने वाले रोगों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। डा. मोहम्मद युसुफ प्रभाग प्रमुख वन कीट प्रभाग ने अपने व्याख्यान द्वारा उपरोक्त कृषि वानिकी प्रजातियों में लगने वाले कीटों के प्रकोप एवं उसके उपचार के बारे में किसान बंधुओं को प्रशिक्षित किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों हेतु उपयुक्त प्रशिक्षण सामग्री एवं खान-पान इत्यादि की व्यवस्था वन अनुसंधान संस्थान द्वारा वहन किया गया।

विषय विशेषज्ञों द्वारा इस प्रकार प्रशिक्षण पाकर किसान काफी उत्साहित थे और उन्होंने प्रसन्नता जाहिर किया। डा. एन.के.गोयल योजना समन्वयक के.वी.के यमुनानगर ने वन अनुसंधान संस्थान की टीम को यमुनानगर आकर प्रशिक्षण देने के लिए धन्यवाद ज्ञापन किया और उम्मीद व्यक्त कि दोनों संस्थान भाविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम जारी रखेंगे।





